'Champions of Change: Celebrating World NTD Day with Kala-azar Survivors'

Centre for Advocacy and Research

Date: 30th January 2023

Venue: Saran Hospital

Organizer: Dr. Kavita, Director, South Aia, DNDi, Manisha Sharma, Regional Communication Manager, South Asia, DNDi, Aman Mallik, Operational Head, DNDi

Chairperson: Dr. Krishnakant Pandey, Director of RMRI, Patna
KeyHosts: Dr. Sagar Dular, Civil Surgeon, and Dr. Dilip, VBDCO, Saran

Objective: To highlight the efforts of the Center of Excellence, established in the district hospitals of Saran and Purnea and managed with the technical support of DNDi. To celebrate the high-quality treatment for Kala-azar patients and acknowledge and honour the Kala-azar champions for their significant contribution to the elimination efforts.

Event Highlights:

Recognition of Kala-azar Champions
Four Kala-azar Survivor-Patient Network members -Ravi, Manju Devi, Mithilesh Kumar, and Manish Kumar- from Garkha block were honored by Dr. Krishnakant Pandey for their exceptional role in the Kala-azar elimination effort in the district. Their contributions included mobilizing communities, supporting IRS efforts, aiding in the early identification of Kala-azar cases, and ensuring timely hospital visits of probable patients for quality treatment.

Testimonials:

Ravi Kumar and Manju Devi shared their personal experiences in battling and overcoming Kala-azar. Ravi Kumar highlighted the effect of establishing the Sarswati Survivor-Patient Support Group in Rahampur village of Garkha Block and underscored the importance of a peer group that met regularly and together, they strengthened awareness of the disease in their villages. They spread information about the disease, ensured comprehensive IRS coverage in each of the households that they targeted and linked up probable cases to the public health facilities for treatment.

Manju Devi also shared similar experiences and showed how her dedication to raising awareness about Kala-azar has made a difference. She does her bit to ensure early testing and timely treatment for those showing symptoms of Kala-azar or affected by the disease.

Appreciation

Dr. Dilip, VBDCO commended the champions' efforts and expressed his admiration for their commitment to Kala-azar elimination. He emphasized the need for more champions to effectively raise awareness about the disease at the community level.

The event acknowledged the critical role that survivors-patients play in the control and elimination of the disease. Dr. Dilip's call for more champions indicates the importance of expanding and replicating such initiatives for greater survivor involvement and broader community engagement

Press Release

डीएनडीआई की मदद से सारण और पूर्णिया में हुई सीओई की स्थापना, मरीजों का हो रहा बेहतर इलाज: डॉ. कृष्णा पांडेय

- विश्व एनटीडी दिवस के अवसर पर कालाजार चैंपियंस को किया गया सम्मानित
- कालाजार चैंपियंस ने लोगों से साझा की बीमारी और इलाज के सफर की कहानी
- सिविल सर्जन ने आरएमआरआईएमएस को हरसंभव सहयोग देने का दिलाया भरोसा

छपरा.30, जनवरी

विश्व एनटीडी (नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज) दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में स्थिति सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) में चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य समिति और ड्रग फॉर नेगलेक्टेड डिसीजेस इनिशिएटिव (डीएनडीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कालाजार चैंपियंस को सम्मानित किया गया। जिसमें कालाजार चैंपियंस ने इस बीमारी और इलाज को लेकर अपने अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइंसेज (आरएमआरआईएमएस) के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह, गोपालगंज डीएमओ डॉ. सुषमा शरण व डीएनडीआई के अमित मालिक ने संयुक्त रूप से किया।

संयुक्त रूप से उद्घाटन करते हुए राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइंसेज (आरएमआरआईएमएस) के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय ने कहा कि एनटीडी के मुख्य तीन पिलर यूनाइट, एक्ट एंड एलिमिनेट हैं। जो डब्ल्यूएचओ का स्लोगन भी है। उन्होंने बताया कि सारण में कालाजार के मरीजों की जांच होती थी, लेकिन पीकेडीएल के मामलों में बोन मैरो की जांच की सुविधा नहीं थी। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से डीएनडीआई के द्वारा सारण और पूर्णिया जिले में सीओई की शुरुआत की गई। जहां मरीजों का बेहतर इलाज हो रहा है। वहीं, सारण में बोन मैरो जांच की सुविधा हो जाने से मरीजों को राज्य मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ रहा है। सीओई के संचालन से आसपास के जिलों के मरीजों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि फिलवक्त आरएमआरआईएमएस अब कुछ नई दवाओं को लेकर रिसर्च कर रहा है। जिसके परीक्षण के लिए कालाजार मरीजों को यहां से रेफर करें। ताकि, कालाजार के इलाज को और भी बेहतर बनाया जा सके।

कालाजार उन्मूलन में आरएमआरआईएमएस ने किया उत्कृष्ट कार्य:

सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने कहा कि कालाजार को लेकर आरएमआरआईएमएस ने उत्कृष्ट कार्य किया है। जिससे बिहार और आरएमआरआईएमएस का वैश्विक स्तर पर नाम कमाया है। साउथ एशिया के कई देशों में आरएमआरआईएमएस के गाइडलाइन पर ही इलाज हो रहा है। वहीं, जिले में सीओई की स्थापना में भी आरएमआरआईएमएस और डीएनडीई का भरपूर सहयोग मिला। जिसकी बदौलत सारण डीएचएस को मेडिकल कॉलेज की मान्यता मिली। साथ ही, कालाजार मरीजों के इलाज के लिए डीएनडीआई और सीओई में प्रतिनियुक्त मेडिकल ऑफिसर और एएनएम ने बेहतर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कालाजार उन्मूलन को लेकर जिले में स्वास्थ्य संस्थानों के साथ फ्रंटलाइन वर्कर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसका परिणाम आज यह हुआ है कि जिले में नए मरीजों के मिलने की संख्या काफी घट गई है। जो आगामी दिनों में और भी घटेगी। उन्होंने आरएमआरआईएमएस के निदेशक को यह आश्वस्त किया की आगामी दिनों में उन्हें रिसर्च के लिए सारण जिले से भरपूर सहयोग मिलेगा।

इन बीमारियों को एनटीडी की सूची से हटाया जाए :

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से हम नेगलेक्टेड डिडीज को लेकर कार्य कर रहे हैं, उसके आधार पर इन बीमारियों को एनटीडी की सूची से हटाया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में सारण जिले में चार से पांच हजार मामले सामने आते थे। लेकिन, अब मरीजों की संख्या काफी घट गई है। यह इस बात से स्पष्ट होता है कि पिछले साल कुल 88 मामले चिह्नित हुए। जिसका सारा श्रेय सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और उनकी टीम को जाता है। साथ ही, सहयोगी संस्थानों का भी भरपूर सहयोग मिला। इसलिए इन बीमारियों को अब नेगलेक्टेड डिजीज की सूची से हटा देना चाहिए। अब स्वास्थ्य विभाग इन बीमारियों को अब फोसाइज्ड कार्य किया जा रहा है। जिसके परिणाम आज सबके सामने है। साथ ही, जिस प्रकार से काम हो रहा है उसके आधार पर हम यह आश्वस्त करते हैं कि सारण से कोई मरीज नहीं मिलेंगे। साथ ही, उन्होंने आरएमआरआईएमएस के निदेशक से पीकेडीएल के मामलों में इलाज को लिए गाइड लाइंस की मांग की। जिससे पीकेडीएल के मरीजों का इलाज और भी सुगम हो सके।

स्टाफ नर्स और कलाजार चैंपियन ने साझा की अपनी कहानी:

कार्यक्रम में सीओई के कर्मचारी और कालाजार चैंपियन ने अपनी कहानी लोगों से साझा किया। स्टाफ नर्स नेहा कुमारी ने कहा कि पहले पीकेडीएल के मरीजों को इलाज के लिए पटना जाना पड़ता था। लेकिन, अब यहां पर इलाज पाकर मरीज काफी संतुष्ट हैं और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों को सराहना करते हैं, जिससे अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संतुष्टि होती है। वहीं, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य रवि कुमार और मंजू देवी ने भी अपनी कहानी से लोगों को अवगत कराया। साथ ही, उन्होंने भविष्य में अपने इलाके और आसपास के गांवों में लोगों को कालाजार के प्रति जागरूकता अभियान चलाने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात सीओई के नोडल पदाधिकारी डॉ. सर्वजीत कुमार, डॉ. हरेंद्र प्रसाद, डॉ. संजीत कुमार, स्टाफ नर्स नेहा कुमारी, विष्णु चौधरी, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य डॉ रवि कुमार, मंजू देवी, मिथिलेश कुमार और मनीष कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी प्रखंडों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और बीसीएम सहित जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सेंटर फॉर एडवोकेसी के एसपीएम रणविजय कुमार, एएसपीएम रंजीत कुमार, डीपीसी धर्मेंद्र रस्तोगी सहित जिला व प्रखंड स्तरीय समन्वयक शामिल रहे। वहीं, मंच संचालन डीएनडीआई की मनीषा शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन अमित मल्लिक ने किया

Media Coverage

Saran, Dainik Bhaskar, Pg-4

बढ़ रहीं सुविधाएं • विश्व एनटीडी दिवस के अवसर पर कालाजार चैंपियंस को किया गया सम्मानित

डीएनडीआई की मदद से सारण और पूर्णिया में हुई सीओई की स्थापना : डॉ. कृष्णा पांडेय

सिटी रिपोर्टर | छपरा

विश्व एनटीडी (नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज) दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) में चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य समिति और ड्रग फॉर नेगलेक्टेड डिसीजेस इनिशिएटिव (डीएनडीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में कालाजार चैंपियंस को सम्मानित किया गया। साथ ही, कालाजार चैंपियंस ने इस बीमारी और इलाज को लेकर अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइंसेज (आरएमआरआईएमएस) के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय, सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. दिलीप कुमार सिंह, गोपालगंज डीएमओ डॉ. सुषमा शरण व डीएनडीआई के अमित मालिक ने संयुक्त रूप से किया। संयुक्त रूप से उद्घाटन करते हुए राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइंसेज (आरएमआरआईएमएस) के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय ने कहा कि एनटीडी के मुख्य तीन पिलर यूनाइट, एक्ट एंड एलिमिनेट हैं। जो डब्ल्यूएचओ का स्लोगन भी है। उन्होंने बताया कि सारण में कालाजार के मरीजों की जांच होती थी, लेकिन पीकेडीएल के मामलों में बोन मैरो की जांच की सुविधा नहीं थी। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से डीएनडीआई के द्वारा सारण और पूर्णिया जिले में सीओई की शुरुआत की गई। जहां मरीजों का बेहतर इलाज हो रहा है। जिससे बोन मैरो जांच के लिए मरीजों को राज्य मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। साथ ही, सारण में सीओई के संचालन से आसपास के जिलों के मरीजों की भी जांच हो रही है। उन्होंने कहा कि फिलवक्त आरएमआरआईएमएस अब कुछ नई दवाओं को लेकर रिसर्च कर रहा है। जिसके परीक्षण के लिए कालाजार मरीजों को यहां से रेफर करें। ताकि, कालाजार के इलाज को और भी बेहतर बनाया जा सके।

सिविल सर्जन ने आरएमआरआईएमएस को हरसंभव सहयोग देने का दिलाया भरोसा

कालाजार उन्मूलन में आरएमआरआईएमएस ने किया उत्कृष्ट कार्य

सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने कहा कि कालाजार को लेकर आरएमआरआईएमएस ने उत्कृष्ट कार्य किया है। जिससे बिहार और आरएमआरआईएमएस का विश्व में नाम कमाया है। साउथ एशिया के कई देशों में आरएमआरआईएमएस के गाइडलाइन पर ही इलाज हो रहा है। साथ ही, जिले में सीओई की स्थापना में भी आरएमआरआईएमएस और डीएनडीआई का भरपूर सहयोग मिला। जिसकी बदौलत सारण डीएचएस को मेडिकल कॉलेज की मान्यता मिली। साथ ही, कालाजार मरीजों के इलाज के लिए डीएनडीआई और सीओई में प्रतिनियुक्त मेडिकल ऑफिसर और एएनएम ने बेहतर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कालाजार उन्मूलन को लेकर जिले में स्वास्थ्य संस्थानों के साथ फ्रंटलाइन वर्कर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसका परिणाम आज यह हुआ है कि जिले में नए मरीजों के मिलने की संख्या काफी घट गई है। जो आगामी दिनों में और भी घटेगी। उन्होंने आरएमआरआईएमएस के निदेशक को यह आश्वस्त किया की आगामी दिनों में उन्हें रिसर्च के लिए सारण जिले से भरपूर सहयोग मिलेगा।

विश्व एनटीडी दिवस के मौके पर दीप जलाते अतिथि।

मरीजों की संख्या काफी घट गई है

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से हम नेगलेक्टेड डिजीज को लेकर कार्य कर रहे हैं, उसके आधार पर इन बीमारियों को एनटीडी की सूची से हटाया जाए। उन्होंने बताया कि पूर्व में सारण जिले में चार से पांच हजार मामले सामने आते थे। लेकिन, अब मरीजों की संख्या काफी घट गई है। यह इस बात से स्पष्ट होता है कि पिछले साल कुल 88 मामले चिह्नित हुए। जिसका सारा श्रेय सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और उनकी टीम को जाता है। साथ ही, सहयोगी संस्थानों का भी भरपूर सहयोग मिला। इसलिए इन बीमारियों को अब नेगलेक्टेड डिजीज की सूची से हटा देना चाहिए। अब स्वास्थ्य विभाग इन बीमारियों को अब फोकसाइज्ड कार्य किया जा रहा है। जिसके परिणाम आज सबके सामने है। साथ ही, जिस प्रकार से काम हो रहा है उसके आधार पर हम यह आश्वस्त करते हैं कि सारण से कोई मरीज नहीं मिलेंगे। साथ ही, उन्होंने आरएमआरआईएमएस के निदेशक से पीकेडीएल के मामलों में इलाज को लिए गाइड लाइंस की मांग की। जिससे पीकेडीएल के मरीजों का इलाज और भी सुगम हो सके।

स्टाफ नर्स और कालाजार चैंपियन ने साझा की अपनी कहानी

कार्यक्रम में सीओई के कर्मचारी और कालाजार चैंपियन ने अपनी कहानी लोगों से साझा किया। स्टाफ नर्स नेहा कुमारी ने कहा कि पहले पीकेडीएल के मरीजों को इलाज के लिए पटना जाना पड़ता था। लेकिन, अब यहां पर इलाज पाकर मरीज काफी संतुष्ट हैं जिससे अपने द्वारा किए जा रहे कार्यों पर संतुष्टि होती है। वहीं, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य रवि कुमार और मंजू देवी ने भी अपनी कहानी से लोगों को अवगत कराया। साथ ही, उन्होंने भविष्य में अपने इलाके और आसपास के गांवों में लोगों को कालाजार के प्रति जागरूकता अभियान चलाने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात सीओई के नोडल पदाधिकारी डॉ. सर्वजीत कुमार, डॉ. हरेंद्र प्रसाद, डॉ. संजीत कुमार, स्टाफ नर्स नेहा कुमारी, विष्णु चौधरी, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य डॉ रवि कुमार, मंजू देवी, मिथिलेश कुमार और मनीष कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी प्रखंडों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और बीसीएम सहित जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सेंटर फॉर एडवोकेसी के एसपीएम रणविजय कुमार, एसएसपीएम रंजीत कुमार, डीपीसी धर्मेंद्र रस्तोगी सहित जिला व प्रखंड स्तरीय समन्वयक शामिल रहे। वहीं, मंच संचालन मनीषा शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन अमित मल्लिक ने किया।

Saran, Hindustan,Pg-4

| आयोजन | विश्व एनटीडी दिवस के अवसर पर कालाजार चैंपियंस को किया गया सम्मानित, डीएनडीआई की मदद से सारण और पूर्णिया में हुई सीओई की स्थापना

सारण में कालाजार मरीजों के इलाज की बेहतर सुविधा शुरू

छपरा, हमारे संवाददाता। विश्व एनटीडी नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में स्थित सेंटर फॉर एक्सीलेंस सीओई में चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल साइंसेज आरएमआरआईएमएस के निदेशक डॉ कृष्णा पांडेय ने कहा कि एनटीडी के मुख्य तीन पिलर यूनाइट, एक्ट एंड एलिमिनेट हैं जो डब्ल्यूएचओ का स्लोगन भी है। उन्होंने बताया कि सारण में कालाजार के मरीजों की जांच होती थी, लेकिन पीकेडीएल के मामलों में बोन मैरो की जांच की सुविधा नहीं थी लेकिन, स्वास्थ्य

- चैंपियंस ऑफ चेंज कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- दीप प्रज्वलित कर हुई कार्यक्रम की शुरुआत

विश्व एनटीडी नेगलेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीज दिवस के मौके पर दीप प्रज्वलित करते सीएस व पटना से पहुंचे अधिकारी।

कार्यक्रम में जुटे जिलेभर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी व डॉक्टर।

विभाग के सहयोग से डीएनडीआई के द्वारा सारण और पूर्णिया में सीओई की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि फिलवक्त आरएमआरआईएमएस अब कुछ नई दवाओं को लेकर रिसर्च कर रहा है जिसके परीक्षण के लिए कालाजार मरीजों को यहां से रेफर करें। आयोजित इस कार्यक्रम में कालाजार चैंपियंस को सम्मानित किया गया। साथ ही, कालाजार चैंपियंस ने इस बीमारी और इलाज को लेकर अपने अनुभवों को साझा किया। सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ दिलीप कुमार सिंह, गोपालगंज डीएमओ डॉ सुषमा शरण व डीएनडीआई के अमित मालिक ने संयुक्त रूप से किया। नोडल पदाधिकारी डॉक्टर सर्वजीत कुमार आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर हरेंद्र प्रसाद, डॉ. संजीत कुमार, डॉ संदीप कुमार यादव स्टाफ नर्स नेहा कुमारी, विष्णु चौधरी, पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य डॉ रवि कुमार, मंजू देवी, मिथिलेश कुमार और मनीष कुमार को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी प्रखंडों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और बीसीएम सहित जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सेंटर फॉर एडवोकेसी के एसपीएम रणविजय कुमार, एसएसपीएम रंजीत कुमार, डीपीसी धर्मेंद्र शामिल थे।

जिले में 4 साल का कालाजार मरीजों का आंकड़ा

वर्ष	मरीजों की संख्या
वर्ष 2023	90
वर्ष 2022	119
वर्ष 2021	222
वर्ष 2020	364